प्रेस विज्ञप्ति

सांची विश्वविद्यालय में आयोजित किया गया राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह

- विश्वविद्यालय की सेंट्रल लाइब्रेरी का पोर्टल लोकार्पित
- पुस्तकालय विश्वविद्यालय का मस्तिष्क होते हैं
- छात्रों ने वक्तव्य कला प्रतियोगिता में बताई पुस्तकालयों की अहमियत
- विश्वविद्यालय में सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता भी की गई आयोजित
- पुस्तकों को बनाएं अपना मित्र

सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय में आज राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह का समापन समारोह आयोजित किया गया। 14-20 नवंबर के मध्य पूरे राष्ट्र में पुस्तकालय सप्ताह मनाया जाता है। इस मौके पर विश्वविद्यालय के छात्र छात्राओं ने शिक्षा एवं शोध के उन्नयन में पुस्तकालयों की भूमिका विषय पर अपने विचार प्रकट किए।

राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह के मौके पर सांची विश्वविद्यालय की सेंट्रल लाइब्रेरी के वेबपेज www.librarysubis.wordpress.com का लोकार्पण किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य डॉक्टर यज्ञेश्वर एस. शास्त्री ने क्लिक कर वेबसाइट का लोकार्पण किया। इस वेबसाइट पर देश दुनिया के डिजिटल कंटेंट को, लाइब्रेरी वेबसाइट्स को, जर्नल्स तथा ओपन सोर्स कंटेंट को समाहित किया गया है।

पीएचडी छात्रा पुष्पलता ने कहा कि जैसे कंप्यूटर का मस्तिष्क सी.पी.यू. होता है वैसे ही पुस्तकालय भी विश्वविद्यालय का मस्तिष्क होता है। पीएचडी के शोधार्थी धनंजय ने पुस्तकालय की तुलना शरीर में स्थित हृदय से की।

इस प्रतियोगिता में एमफिल, पीएचडी, एवं एमए के तकरीबन 17 छात्रों ने अपने विचारों को लोगों से साझा किया। छात्रों ने विश्व के विभिन्न पुस्तकालयों(लाइब्रेरी) के बारे में बताया। उन्होंने अमेरिका की लाइब्रेरी ऑफ कांग्रेस के साथ-साथ नालंदा, तक्षशिला और विक्रमशिला विश्वविद्यालयों की लाइब्रेरियों और उनकी उपयोगिताओं के बारे में बताया।

छात्रों ने बताया कि आईआईटी खड़गपुर ने नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी को स्थापित किया है और इस के पोर्टल पर देश की अधिकतर लाइब्रेरियों में उपलब्ध किताबों का डिजिटलीकरण कर वेब पर उपलब्ध कराने की कोशिश की है। नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी और भी पुस्तकों को डिजिटलीकरण कर उपलब्ध कराने का प्रयास कर रही है। छात्रों के मंच पर साझा किये गए इन विचारों को विश्वविद्यालय द्वारा **वक्तव्य कला प्रतियोगिता** के रूप में आयोजित कर दिया गया। **वक्तव्य कला को जीता** पीएचडी योग की छात्रा **नेहा सैनी ने**, **द्वितीय स्थान** मिला पीएचडी इंग्लिश की छात्रा **मुस्कान सोलंकी** ने और **तृतीया स्थान** हासिल किया योग एमफिल के छात्र **प्रशांत खरे** को।

पुस्तकालय सप्ताह के मौके पर सोमवार को भी **सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता** आयोजित की गई जिसमे 60 छात्रों ने हिस्सा लिया। इस प्रतियोगिता के विजेता रहे, इस **प्रतियोगिता को जीता** एमएससी योगा के छात्र **रवि यादव ने**, **द्वितीय स्थान** पाया **अनीश कुमार** पीएचडी हिंदी, तथा **तृतीय स्थान** मिला **प्रशांत खरे** को।

विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता डॉक्टर नवीन मेहता ने कहा कि लाइब्रेरियां ज्ञान का भंडार हैं और छात्रों को रोज़ाना लाइब्रेरी जाना चाहिए और किताबों को अपना दोस्त बनाना चाहिए। विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य डॉक्टर यज्ञेश्वर शास्त्री ने कहा कि आज के डिजिटल युग में भी पुस्तकों की अहमियत है क्योंकि पुस्तकों को स्पर्श तथा मेहसूस किया जा सकता है। सांची विश्वविद्यालय की सेंट्रल लाइब्रेरी की वेबसाइट का निर्माण लाइब्रेरियन डॉक्टर अमित ताम्रकार ने किया है।

city भास्कर BHOPAL, WEDNESDAY, 21/11/2018

जैसे कंप्यूटर का ब्रेन सीपीयू, वैसे ही यूनिवर्सिटी का ब्रेन होती है लाइब्रेरी

सांची विवि में पुस्तकालय सप्ताह के समापन पर बोले शोधार्थी

सिटी रिपोर्टर | भोपाल

आज के डिजिटल युग में भी पुस्तकों की अहमियत है, पुस्तकों को स्पर्श और महसूस किया जा सकता है। पुस्तक साथ होती हैं तो हमेशा उस पर ध्यान जाता रहता है। यह विचार व्यक्त किए सांची विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. यज्ञेश्वर शास्त्री ने। मौका था सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विवि का जहां राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह का समापन किया गया। विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने शिक्षा एवं शोध में लाइब्रेरी की भूमिका विषय पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम में पीएचडी की छात्रा पुष्पलता ने कहा- कंप्यूटर का मस्तिष्क सीपीयू होता है, वैसे ही लाइब्रेरी भी विश्वविद्यालय का मस्तिष्क होती है। वहीं शोधार्थी धनंजय ने पुस्तकालय की तुलना, हृदय से की। कार्यक्रम में विवि के अधिष्ठाता डॉ. नवीन मेहता ने कहा- लाइब्रेरी ज्ञान का भंडार हैं और छात्रों को रोजाना लाइब्रेरी जाना चाहिए। इस अवसर पर सांची विवि की सेंट्रल लाइब्रेरी की वेबसाइट का लोकार्पण भी किया गया। वहीं पुस्तकालय सप्ताह के दौरान सोमवार को हुई सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में एमएससी योगा के छात्र रवि यादव प्रथम, दूसरे स्थान पर अनीश कुमार, पीएचडी हिंदी के प्रशांत खरे तीसरे स्थान पर रहे।

पत्रिका PLUS WEDNESDAY, 21/11/2018.

लाइब्रेरी के वेबपेज का किया लोकार्पण

भोपाल. सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय में मंगलवार को राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह का समापन समारोह आयोजित किया गया। मौके पर विश्वविद्यालय की सेंट्रल लाइब्रेरी के वेबपेज का कुलपति आचार्य डॉक्टर यज्ञेशवर एस शास्त्री ने लोकार्पण किया। विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नवीन मेहता ने कहा कि लाइब्रेरियां ज्ञान का भंडार हैं और छात्रों को रोजाना लाइब्रेरी जाना चाहिए और किताबों को अपना दोस्त बनाना चाहिए। शास्त्री ने कहा कि आज के डिजिटल युग में भी पुस्तकों की अहमियत है। इस वेबसाइट पर देश दुनिया के डिजिटल कंटेंट को लाइब्रेरी वेबसाइट्स को जर्नल्स तथा ओपन सोर्स कंटेंट को समाहित किया है।

दैनिक जागरण भोपाल, 21 नवम्बर 2018

कंप्यूटर का मस्तिष्क है सीपीयू और यूनिर्वसिटी का पुस्तकालय

सांची विवि में राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह का समापन

● लेक सिटी रिपोर्टर ●

सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विवि में मंगलवार को राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह का समापन समारोह आयोजित किया गया। इस मौके पर विवि के छात्र छात्राओं ने शिक्षा एवं शोध के उन्नयन में पुस्तकालयों की भूमिका विषय पर अपने विचार प्रकट किए। राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह के मौके पर सांची विवि की सेंट्रल लाइब्रेरी के वेबपेज www.library-subis.wordpress.com का लोकार्पण विवि के कुलपति आचार्य डॉ. ब्रजेश्वर एस. शास्त्री ने क्लिक कर किया गया। इस वेबसाइट पर देश दुनिया के डिजिटल कंटेंट को, लाइब्रेरी वेबसाइट्स को, जर्नल्स तथा ओपन सोर्स कंटेंट को समाहित किया गया है।

पुस्तकालय की तुलना शरीर, हृदय से की

पीएचडी छात्रा पीएचडी छात्रा पुष्पलता ने कहा कि जैसे कंप्यूटर का मस्तिष्क सीपीयू होता है वैसे ही पुस्तकालय भी विवि का मस्तिष्क होता है। पीएचडी के शोधार्थी धनंजय ने पुस्तकालय की तुलना शरीर में स्थित हृदय से की। इस प्रतियोगिता में एमफिल, पीएचडी, एवं एमए के तकरीबन 17 छात्रों ने अपने विचारों को लोगों से साझा किया। छात्रों ने विश्व के विभिन्न पुस्तकालयों (लाइब्रेरी) के बारे में बताया।

उन्होंने अमेरिका की लाइब्रेरी ऑफ कांग्रेस के साथ-साथ, नालंदा, तक्षशिला और विक्रमशिला विवि की लाइब्रेरियों और उनकी उपयोगिताओं के बारे में बताया।

ये रहे विजेता

छात्रों द्वारा साझा किए गए विचारों को विवि द्वारा वक्तव्य कला प्रतियोगिता के रूप में आयोजित कर दिया गया। वक्तव्य कला में प्रथम पीएचडी योग की छात्रा नेहा सैनी ने, द्वितीय स्थान मिला पीएचडी इंग्लिश की छात्रा मुस्कान सोलंकी ने और तृतीय स्थान योग एमफिल के छात्र प्रशांत खरे रहे।

नवदुनिया
भोपाल, बुधवार 21 नवंबर 2018

शरीर में स्थित हृदय की तरह होता है 'पुस्तकालय'

सांची विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह का समापन

भोपाल। नवदुनिया रिपोर्टर

सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय में मंगलवार को राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह का समापन समारोह आयोजित हुआ। इस मौके पर विश्वविद्यालय के छात्रों ने 'शिक्षा एवं शोध के उन्नयन' में पुस्तकालयों की भूमिका विषय पर अपने विचार रखे। सांची विवि की सेंट्रल लाइब्रेरी के वेबपेज www.librarysubis.wordpress.com का लोकार्पण कुलपति आचार्य डॉक्टर यज्ञेश्वर एस. शास्त्री ने किया। इस वेबसाइट पर देश दुनिया के डिजिटल कंटेंट को, लाइब्रेरी वेबसाइट्स को, जर्नल्स और ओपन सोर्स कंटेंट को समाहित किया गया है। इस प्रतियोगिता में एमफिल, पीएचडी, एवं एमए के तकरीबन 17 छात्रों ने अपने विचारों को लोगों से साझा किया। छात्रों ने विश्व के विभिन्न पुस्तकालयों(लाइब्रेरी) के बारे में बताया। उन्होंने अमेरिका की लाइब्रेरी ऑफ कांग्रेस के साथ-साथ

नालंदा, तक्षशिला और विक्रमशिला विश्वविद्यालयों की लाइब्रेरियों और उनकी उपयोगिताओं के बारे में बताया। छात्रों ने बताया कि आईआईटी खड़गपुर ने नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी को स्थापित किया है और इसके पोर्टल पर देश की अधिकतर लाइब्रेरियों में उपलब्ध किताबों का डिजिटलीकरण कर वेब पर उपलब्ध कराने की कोशिश की है। नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी और भी पुस्तकों को डिजिटलीकरण कर उपलब्ध कराने का प्रयास कर रही है। छात्रों के मंच पर साझा किए गए इन विचारों को विश्वविद्यालय द्वारा वक्तव्य कला प्रतियोगिता के रूप में पेश किया गया। इस मौके पर बड़ी संख्या में छात्र मौजूद थे।

पुरस्कृत हुए प्रतिभागी

वक्तव्य कला को पीएचडी योग की छात्रा नेहा सैनी ने जीता, द्वितीय स्थान मिला पीएचडी इंग्लिश की छात्रा मुस्कान सोलंकी ने और तृतीया स्थान हासिल किया योग एमफिल के छात्र प्रशांत खरे को। इस दौरान सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमे 60 छात्रों ने हिस्सा लिया। इस प्रतियोगिता को जीता एमएससी योगा के छात्र रवि यादव ने, द्वितीय स्थान पाया अनीश कुमार पीएचडी हिंदी एवं तृतीय स्थान प्रशांत खरे को मिला। सांची विश्वविद्यालय की सेंट्रल लाइब्रेरी की वेबसाइट का निर्माण लाइब्रेरियन डॉक्टर अमित ताम्रकार ने किया है।